आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार

देहरादून (उत्तराखण्ड)

शनिवार 21.12.2024

समय 1305

मुख्य समाचार :–

- केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने देहरादून में आज भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023 का विमोचन किया।
- उत्तराखंड में जनवरी में आयोजित होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों की मशाल यात्रा 26 दिसंबर से हल्द्वानी से शुरू होगी।
- शीतकालीन चारधाम यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने आवश्यक निर्देश दिए।
- केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में पूर्व बजट परामर्श बैठक में उत्तराखंड सरकार ने भूजल संरक्षण, रोपवे, और जल विद्युत उत्पादन के लिए विशेष बजट आवंटन की सिफारिश की।

भारत वन स्थिति 2023

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने देहरादून में आज भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023 का विमोचन किया। यह रिपोर्ट भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा हर दो साल में प्रकाशित की जाती है, जिसमें देश के वन और वृक्ष संसाधनों का विस्तृत आकलन किया जाता है। इस रिपोर्ट में वनावरण, वृक्ष आवरण, कार्बन स्टॉक, वनाग्नि घटनाएं और कृषि वानिकी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का कुल वन और वृक्ष आवरण 8 लाख 27 हजार 357 वर्ग किलोमीटर है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का पचीस दशमलव एक–सात प्रतिशत है। इसके अलावा, 2021 के आकलन की तुलना में कुल वन आवरण में एक हजार चार सौ 45 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है। इस रिपोर्ट से प्राप्त आंकड़े नीति निर्माताओं, अनुसंधान संगठनों और वन प्रबंधन से जुड़े हितधारकों के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे।

मशाल यात्रा

उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों की मशाल यात्रा 26 दिसंबर से शुरू होगी। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि हल्द्वानी से शुरू होने वाली यह यात्रा राज्य के 13 जिलों से होकर गुजरेगी। यात्रा का उद्देश्य खेलों को जनउत्सव के रूप में मनाना और जनता को इससे जोड़ना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस मशाल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर शुरू करेंगे।

मशाल यात्रा के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे यह खेलों का उत्सव जनमानस में छा जाएगा।

विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि

देहरादून के सहसपुर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय ईदगाह बस्ती में कुछ समय पूर्व हुई एक घटना में तीन छात्राएं घायल हो गई थीं। इस घटना की सूचना समय पर उच्च अधिकारियों को न देने और घटना के चार दिन बाद भी विद्यालय का निरीक्षण न करने पर खंड शिक्षा अधिकारी को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि जारी की गई है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही और अधिकारियों की अनदेखी से विभाग की छवि धूमिल हुई है, और इसलिए इस पर कार्रवाई की गई है।

विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि का उद्देश्य प्रशासनिक लापरवाही को रोकना और स्कूलों की सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करना है।

रक्तकोष स्वीकृति

देहरादून के जिला चिकित्सालय में जल्द ही रक्तकोष की सुविधा शुरू होने जा रही है। इस उद्देश्य के लिए रक्तकोष भवन के निर्माण कार्य को वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। निर्माण कार्य इसी माह से शुरू होगा और इससे स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण सुधार की उम्मीद है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने इस परियोजना को प्राथमिकता देते हुए रक्तकोष निर्माण में आ रही सभी बाधाओं को दूर करने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं। अब स्थानीय अस्पतालों में रक्त की आपूर्ति में कोई रुकावट नहीं आएगी, जिससे मरीजों के इलाज में सुधार होगा।

सुरक्षित शीतकालीन यात्रा– निर्देश

शीतकालीन चारधाम यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि हर धाम के शीतकालीन प्रवास स्थलों पर समन्वय बैठकें आयोजित की जाएंगी, और यात्रा मार्गों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए ठोस रणनीतियां बनाई जा रही हैं। खासकर, ओवर स्पीडिंग को रोकने, खराब सड़कों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड लगाने और पुलिस बल का प्वाइंटवार व्यवस्थापन करने की योजना बनाई गई है। इससे यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, शीतकालीन यात्रा के मद्देनज़र देहरादून, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी के पुलिस कप्तानों को मानक संचालन प्रक्रिया–एस०ओ०पी बनाने के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस महानिरीक्षक, गढ़वाल, राजीव स्वरूप ने बताया कि शीतकालीन यात्रा का सुरक्षित संचालन पुलिस का संकल्प है। उन्होंने कहा कि यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पूर्व बजट परामर्श

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में राजस्थान के जैसलमेर में हुई पूर्व बजट परामर्श बैठक में उत्तराखंड सरकार ने 11 महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। बैठक में उत्तराखंड की ओर से वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने हिस्सा लिया। इस दौरान राज्य में इकोलॉजी और इकोनॉमी को ध्यान में रखते हुए प्रमुख योजनाओं जैसे भूजल संरक्षण, रोपवे, और जल विद्युत उत्पादन के लिए विशेष बजट आवंटन की सिफारिश की गई। एक रिपोर्ट––

केन्द्र सरकार द्वारा '' पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना'' के अन्तर्गत उत्तराखंड को 100 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्राप्त हुई। इस बार राज्य सरकार ने भूजल संरक्षण के लिए एक नई केन्द्र पोषित योजना शुरू करने का आग्रह किया है, ताकि सौंग बांध और भूजल संरक्षण के प्रयासों को और गति मिल सके। आगामी केन्द्रीय बजट के माध्यम से उत्तराखंड में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना किये जाने के प्रावधान करने का अनुरोध भी किया गया है। साथ ही राज्य में आर्टिफिसियल इंटैलीजेंस व साइबर सुरक्षा से सम्बन्धित उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित करने के लिए भी केन्द्र सरकार से सहयोग मांगा गया है। उत्तराखंड सरकार ने केंद्र से बागेश्वर से कर्णप्रयाग और रामनगर से कर्णप्रयाग के बीच रेलवे लाईन का सर्वेक्षण और रेलवे नेटवर्क सर्किट के विकसित करने की मांग की। रोपवे परियोजनाओं के लिए उत्तराखण्ड सहित सभी पर्वतीय राज्यों के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण योजना में केन्द्रांश 20 प्रतिशत से बढाकर 40 प्रतिशत करने पर विचार किये जाने का अनुरोध किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बजट निर्माण प्रकिया प्रारंभ कर दी गई है। जनता से सुझाव आमंत्रित कर संबंधित अधिकारियों द्वारा उनका परीक्षण करते हुए बजट में समावेशित करने के निर्देश दिए गए हैं और जल्द ही ही प्रदेश के लिए प्री–बजट कंसल्टेशन प्रारंभ किया जायेगा।

पीपलकोटी मेला

चमोली जिले के पीपलकोटी में सात दिवसीय बंड विकास, औद्योगिक, पर्यटन, किसान एवं सांस्कृतिक मेला शुरू हो गया है। इस मेले का उद्घाटन बद्रीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने किया। इस दौरान विधायक बुटोला ने कहा कि यह मेला सांस्कृतिक धरोहर का अहम हिस्सा है, जो स्थानीय कलाकारों को मंच और उत्पादकों को बाजार प्रदान करता है। उन्होंने मेले के सफल संचालन के लिए विधायक निधि से 4 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। इस मेले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी और पर्यटन संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया है।

भूकंप

कुमाऊं क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में आज तड़के चार बजे भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर चार दशमलव आठ मापी गई। भूकंप का केंद्र उत्तरी नेपाल के सुंथराली एयरपोर्ट कोटबड़ा के पास दस किलोमीटर की गहराई में था। फिलहाल भूकंप से उत्तराखंड में किसी तरह के नुकसान की ख़बर नही है।